M 7663

Reg. No. : .....

Name : .....

**I Semester B.Sc. LRP/B.C.A./B.S.W. Degree (CCSS – Supple./Improv.) Examination, November 2014**
**COMMON COURSE IN HINDI**
**1A07 2HIN : Literary Trends in Hindi**
**(2013 and Earlier Admns.)**

Time: 3 Hours Max. Weightage : 20

**निर्देश :** किसी **एक** पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए । **(Weightage 2)**

1. बिरहा बिरहा मति कहौं, बिरहा है सुलतान ।
   जिहिं घट बिरह न संचरै, सो घट सदा मसान ।।

2. अविगत गति कछु कहत न आवै ।
   ज्यों गूंगेहि मीठे फल को रस अन्तरगत ही भावै ।।
   परम स्वाद सब ही जु निरस्तर अमित तोष उपजावै ।
   मन बानी को अगम अगोचर सो जानै जो पावै ।।
   रूप रेख गुन जाति जुगुति बिनु निरालम्ब मन चकृत धावै ।
   सब विधि अगम बिचरहिं ताते 'सूर' सगुन लीला पद गावै ।। **(1×2=2)**

**निर्देश :** किन्हीं **चार** पद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए । **(Weightage 2 each)**

3. अनंत अन्तरिक्ष में अनंत देव हैं खडे,
   समक्ष ही स्वबाहु जो बढ़ा रहे बड़े-बडे ।
   परास्परालम्ब से उठो तथा बढो सभी,
   अभी अमर्त्य अंक में अपंक हो चढो सभी ।

P.T.O.

4. चढ रही थी धूप;

गर्मियों के दिन

दिवा का तमतमाता रूप;

उठी झुलसाती हुई लू,

रुई ज्यों जलती हुई भू,

गर्द चिनगी छा गयी,

प्राय: हुई दुपहर:

वह तोडती पत्थर

5. काटेंगे उसे जो, फिर वही उसे बोयेंगे

हम तो कहीं धरती के नीचे दबे सोयेंगे ।

6. और बिना किसी उत्तर के चुपचाप

आगे बढ जाता हूँ

क्योंकि आजकल मौसम का मिजाज यूँ है कि खून में उड़नेवाली पत्तियों का पीछा करना लगभग बेमानी है ।

7. एक ही दिन में पुरानी पड़ जाती है दुनिया जैसे बसन्त का गया पतझड को लौटा हूँ, जैसे वैशाख का गया मादों को लौटा हूँ ।

8. अपनी सभी विलक्षण कारगुजारियों को मानवता की सेवा में प्रस्तुत कर न हो सके महान । **(4×2=8)**

**निर्देश :** किसी **एक** कविता की समीक्षा कीजिए । **(Weightage 4)**

9. ताज ।

10. नये इलाके में ।

**निर्देश :** निम्नलिखित पद्यांश पढकर प्रश्नों के उत्तर लिखिए । **(Weightage 1 for each bunch)**

11. उसी उदार की कथा सरस्वती बखानती,
उसी उदार से धरा कृतार्थ भाव मानती ।
उसी उदार की सदा सजीव कीर्ति कूजती,
तथा उसी उदार को समस्त सृष्टि पूजती ।
अखंड आत्मभाव जो असीम विश्व में भरे,
वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे ।

क) ये पंक्तियाँ किस कविता की है ?
(मनुष्यता, फसल, ताज, शोकगीत)

ख) कवि की राय में मनुष्य कौन है ?

ग) विश्व में क्या भरा हुआ है ?

घ) यह किसकी रचना है ?
(धूमिल, माखनलाल चतुर्वेदी, मैथिली शरण गुप्त, मुक्तिबोध)

12. यह कैसा वक्त है
कि किसी को कड़ी बात कहो
जैसे घृणा और प्यार के जो नियम है
उन्हें कोई नहीं जानता ।

क) इस पद्यांश के रचयिता कौन है ?
(अरुण कमल, सक्सेना, कीर्ति चौधरी, कात्यायनी)

ख) ये पंक्तियाँ किस कविता से उद्घृत हैं ?

ग) यहाँ किसी को कडी बात कहने से क्या हो जाएगा ?

घ) इन पंक्तियों में निहित संदेश क्या है ? **(2×1=2)**

**निर्देश :** किसी **एक** कहानी का सारांश लिखकर विशेषतायें बताइए । **(Weightage 4)**

13. वापसी ।

14. दिल्ली में एक मौत । **(1×4=4)**